

साँवरिया से लड़ गयी नजरिया

गई थी वृंदावन डगरिया,
साँवरिया से लड़ गई नजरिया.....

जब मैं पहुंची गोकुल नगरिया,
गोकुल नगरिया सखी गोकुल नगरिया,
पालना में झूले दोनों भैया,
साँवरिया से लड़ गई नजरिया.....

जब मैं पहुंची जमुना किनारे,
यमुना किनारे सखी यमुना किनारे,
मोह गई श्याम की मुरलिया,
साँवरिया से लड़ गई नजरिया.....

जब मैं पहुंची निधिवन डगरिया,
निधिवन डगरिया सखी निधिवन डगरिया,
रास रचावे दोनों भैया,
साँवरिया से लड़ गई नजरिया.....

जब मैं पहुंची मथुरा नगरिया,
मथुरा नगरिया सखी मथुरा नगरिया,
गैया चरामे दोनों भैया,
साँवरिया से लड़ गई नजरिया.....

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/32044/title/sanwariya-se-lad-gayi-nazariya>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |